कबीर की काव्य परंपरा : निर्गुण संत परंपरा

- **निर्गुण संत परंपरा के प्रमुख कवि :–**
- **रैदास, कबीरदास मलूकदास, दादुदयाल,नानकदेव**

- **:निर्गुण संत मत की अवधारणा –**
- **हरेक आत्मा में परमात्मा का वास है।**
- **परमात्मा निराकार और निर्गुण हैं।**
- **ईश्वर और अल्ला मंदिर और मस्जिद में नहीं, हृदय में निवास करते हैं।**

क्रांतिदर्शी कवि कबीर का सामाजिक दर्शन

समतामूलक मानवतावादी समाज की अवधारणा

सामाजिक विसंगतियों एवं धार्मिक पाखंड का विरोध

सरल जीवन और सहज साधना पर बल

आत्मज्ञानी कवि कबीर के काव्य में जीवन–दर्शन

- मानव जीवन में मन की भूमिका
- जीवन में प्रेम, ज्ञान और कर्म की महत्ता
- जीवन–सत्य की प्रतीति